

क्र.न. 1143/2018 जोत्सिह 1/5 सरकार

<p>तारीख हुक्म</p>	<p>हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्य जज</p>	<p>जज प्रकार हुक्म में</p>
------------------------	---	--

18/11/2019 वकील प्रार्थी उप. 1 सरकारी पेंरोकार उप. 1 प्रार्थना पत्र में वकील प्रार्थी व सरकारी पेंरोकार को सुना गया। पत्र में सक्षेप में इस प्रकार है कि मोजा सरहद ग्राम दादाई पट्टार हल्का दादाई तहसील देवूरी में स्थिति आरानी वृषि भूमि पुराने रब. नं. 49मी, 259, 260 जिसके नये रब नं. 117 रकबा 1.4200 हेक्टर डिस्म बारानी अल्वल, रबसरा नं. 120 रकबा 0.8600 हेक्टर डिस्म बारानी अल्वल, रबसरा नम्बर 137 रकबा 1.4800 हेक्टर डिस्म बारानी अल्वल, रबसरा नम्बर 670 रकबा 0.1900 हेक्टर डिस्म कपूर, रबसरा नम्बर 682 रकबा 0.3800 हेक्टर डिस्म चाही प्रथम, जाब अल्वल, रबसरा नम्बर 683 रकबा 0.7700 हेक्टर डिस्म चाही प्रथम, जाब अल्वल कुल रबसरा नम्बर - 6 कुल रकबा 5.100 हेक्टर लगान रूपसे 128.00 बने। प्रमाण स्वरूप पुरानी जमाबन्दी 2030-33 एवं 2034-2037 व वर्तमान जमाबन्दी सबर् 2073-2076 की प्रमाणित प्रतिलिपी संलग्न हैं। यह है कि पुराने रबसरा नम्बर 49मी. की जमाबन्दी सबर् 2030 से 2033 में प्रार्थी जानाम पुराने राजस्व रिकॉर्ड में आभ बोलान्चाल की भाषा में जोतीया पुर बेना दर्ज था उसके बाद जब पुराने रबसरा नम्बर 49मी. 259 व 260 की जमाबन्दी सबर् 2034 से 2037 बनी तो उसमें प्रार्थी नाम जोतीया के बजाय जाबलीगं दर्ज कर दिया गया। जब भू. प्रबन्ध की कार्यवाही अमल में आई व पुराने रबसरा नम्बर के नये रबसरा नम्बर



— लगातार —
राहायिक कलेक्टर
(एस. डी. ओ.) देवूरी

मे उपरोक्तानुसार बने तथा जमाबन्दी सन्वत्
2045 से 2048 मे प्रार्थी का नाम जाबतीग की
जगह जाबतसिंह ५/७ केना दर्ज किया गया जो क्षण
दिन तक जितनी भी जमाबन्दीया बनी उसमे प्रार्थी
का नाम जाबत सिंह दर्ज है जबकि प्रार्थी के राशन
कार्ड, पहचान पत्र, आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज
मे जोटसिंह पुत्र वेनसिंह दर्ज है। सेल्लमेन्ट के
समय लिपिहीन गृह के कारण प्रार्थी का जोटसिंह
के बजाय जाबतसिंह दर्ज करने से प्रार्थी अपने
धामधर एवं विविध एक अधिकारी से वंचित हो
रहा है। अतः प्रार्थी का नाम पुराने इन्ड्राल के
उत्तुरूप जाबतसिंह के बजाय जोतीया किया जाकर
सम्भाजनक नाम जोटसिंह दर्ज किया जाना आवश्यक
व न्याय संगत है।

उक्त दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थी राजस्थान
सरकार जैसे तहसीलदार देसूरी को तलब किया गया
सरकारी पैरोकार तहसीलदार देसूरी द्वारा जवाब
पुस्तक कर निवेदन किया कि सन्वत् 2030 से 2033
की जमाबन्दी मे खाता संख्या 74 में रक्सरा न.
49 20 बीघा 5 बिस्वा दर्ज है। इसी प्रकार जमाबन्दी
सन्वत् 2034 से 2037 मे रक्सरा नम्बर 259, 260
व 49 की रकबा 27 बीघा जय जाबतीग पुत्र वेना
पुरोहित दर्ज है। सन्वत् 2045 से 2048 मे जाबतसिंह
५/७ केना पुरोहित दर्ज है। जिसमे रक्सरा नम्बर 642,
643, 117, 120 व 137 दर्ज है। सन्वत् 2034 से 2037



1143/2018

जोतसिंह व/ संनकार

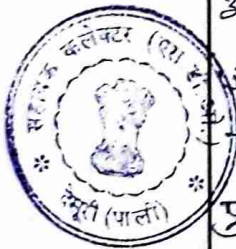
तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्य जज

नम्बर
अदालत
हुक्म
में

तक बनने वाली जमाबन्दी में जोतिया के बजाय
जाबलिंग दर्ज हुआ जो गलत दर्ज हुआ था।
यह लिपिकीय त्रुटि के कारण गलत दर्ज हुआ।
संलग्न रिपोर्ट के अनुसार नाम दुरस्ती जंबतसिंह
पुर वेनसिंह की बजाय जोतसिंह पुर वेनसिंह की
जाने की अनुशासना की जाती है।

प्रस्तुत प्रार्थना पत्र वकील प्रार्थी व सरकारी
पैरोकार को सुना गया। प्रकरण में मामला नाम
शुद्धि का है। जिसकी दुरस्ती ठिपा जाना आवश्यक
है। पत्रावली का अवलोकन ठिया गया। वकील
प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का ध्यानपूर्वक
अवलोकन करने पर यह प्रस्तुत होता है कि



जमाबन्दी सवत 2030 से 2033 में खालस
नम्बर 49 में प्रार्थी का नाम जोतिया
पुर वेना दर्ज था। उसके बाद पुराने खसरा नम्बर
49 में 259 व 260 की जमाबन्दी सवत 2034 से
2037 में प्रार्थी का नाम जोतिया की जगह जाबलिंग
दर्ज हुआ। सवत 2045 से 2048 में खसरा नम्बर
642, 643, 117, 120 व 137 में जाबलिंग पुर वेना की
की जगह जाबतसिंह 40 वेना पुरोहित दर्ज हुआ।
जो लगातार जमाबन्दीयों में जाबतसिंह 40
वेना चला आ रहा है जो कि मान लिपिकीय
त्रुटि है जिस कारण प्रार्थी का नाम जोतिया
सम्मानजनक नाम जोतसिंह होने की बजाय जाबत
सिंह दर्ज हुआ। जो कि तमाम दस्तावेजों से
स्पष्ट होता है। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार ठिया जान

— लगातार —

सहायक कलेक्टर
जहानपुर (उ.प्र.)

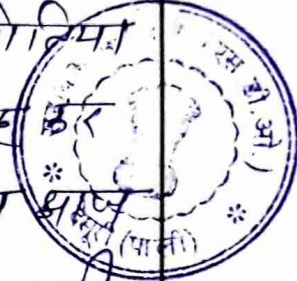
मु.न. 1143/2018


जोतसिंह ५/३ सरकार

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्य जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामिल
में जारी हुए

हैं। तहसीलदार देसूरी को आदेश दिया जाता
है कि श्री जोतसिंह पुत्र वैनसिंह के वर्तमान
राजस्व रिकॉर्ड में जोतसिंह की जगह जोतसिंह
दिया जावे तथा सम्मानजनक नाम जोतसिंह के
राजस्व रिकॉर्ड दुरुस्त किया जावे। निर्णय
दिनांक 18/11/2019 को सुनाया गया। पञ्जाबी
फैसल शुमार होकर नम्बर से रूप हो।




सहायक कलेक्टर
(एस.डी.ओ.) देसूरी (पाली)